करोड़ रुपयों में

2. हिन्दुस्तान कॉपर लि.	
(क) खेतड़ी में प्रद्रावक का आधुनिकीकरण	21.00
(ख) खतड़ी में केन्टप प्रद्रावक	1.00
3. पायराइट्स फास्फेट्स केमिकल्स लि.	
(क) सलादीपुरा-नई योजनायें	1.90
4. एच० एम० टी० लि०, अजमेर	
(क) नई योजनायें	1.00
जोड़	53.40

राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में संचार सुविधायें

3239. **श्री सन्तोष बागड़ोदिया :** क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में संचार सुविधाओं की अत्यधिक कमी है ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण है;

(ग) क्या यह सच है कि इस जिले में लगातार कई कई दिनो तक टेलीफोन व्यवस्था खराब पड़ी रहती है, यदि हां, तो पिछले एक वर्ष के दौरान इस आशय की कितनी शिकायतें प्राप्त हुई है और क्या सभी शिकायतों की सुनवाई की गई हैं; और

(घ) इस जिले मे संचार प्रणाली के सुचारू रूप से काम करने के लिए सरकार क्या उपाय कर रही है ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री गिरिधर गोमांगो) : (क) जी नही ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।

(ग) जी नहीं । वर्ष 1987-88) 1-4-87 से 31-3-88 तक) कुल 82 लिखित शिकायतें प्राप्त हुई। इनमें से 77 लिखित शिकायतों का निपटान कर दिया गया। केवल 5 शिकायतें मार्च, 1988 के अन्त में लंबित थी जिन्हें अप्रैल, 1988 की प्रारंभिक अवधि में निपटा दिया गया ।

(घ) दूरसंचार सेवाओं मे सुधार के लिए प्रभावी मानीटरिंग और निकट से पर्यवेक्षण कार्य सहित विभिन्न उपाय किए गए हैं । इसके अलावा सातवीं योजना के दौरान भीलवाड़ा में आई सी पी क्रासबार एक्सचेंज और मंडल तथा मंडलगढ़ में सी-डाट इलेक्ट्रानिक एक्सचेंज चालू करने की योजना बनाई गई है ।

राजस्थान के शहरों में एस० टी० डी० सुविधा

3240. **श्री सन्तोष बागड़ोदिया :** क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान के किन-किन शहरों में अब तक उपभोक्ता ट्रंक डायलिंग सुविधा उपलब्ध करायी गई हैं ;

(ख) क्या इस सुविधा को कुछ अन्य शहरों में भी उपलब्ध कराने की मांग की गई है ;

(ग) यदि हां, तो किन-किन शहरों को एस टी डी सुविधा सुलभ कराने की सिफारिश की गई है ; और

(घ) इन शहरों में कब तक एस टी डी सुविधा उपलब्ध कराए जाने की संभावना है ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री गिरिधर गोमांगो) : (क) राजस्थान के जिन नगरों में उपभोक्ता ट्रंक डायलिंग सुविधा सुलभ कराई गई है, उनके नाम हैं :

1. अलवर
2. अजमेर
3. ब्यावर
4. बीकानेर
5. भरतपुर
6. धौलपुर
7. जयपुर
8. जोधपुर
9. कोटा
10. नागौर
11. उदयपुर

(ख) से (घ) विभाग ने 17 अन्य नगरों में भी इस सुविधा का विस्तार करने की योजना बनाई है :

1988–89 के दौरान :–

1. बूंदी
2. पाली
3. श्रीगंगानगर

1989–90 के दौरान :

1. भीलवाड़ा
2. बारमेर
3. बांसवाड़ा
4. चित्तोड़गढ़
5. चुरू
6. डूंगरपुर
7. जालौर
8. जैसलमेर
9. झालवाड़
10. टोंक
11. झुनझुनू
12. सीकर
13. सिरोही
14. सवाई माधोपुर ।

Petrochemical Industries in India

3241. SHRI PRABHAKAR RAO KALVALA: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 1456 given in the Rajya Sabha on the 8th August, 1988 and state the details regarding the petrochemical industries in India indicating their capacity, industrywise and Statewise?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI J. VENGAL RAO): Details of existing capacities for the manufacture of major petrochemicals are as follows:

Sl. No.	Product	Capacity 000 tonnes/ annum	Plant (s) Location
1.	Polymers	415	Andhra Pradesh, Gujarat, Maharashtra, Rajasthan, Tamilnadu, West Bengal.
2.	Synthetic Fibres	340	Assam, Gujarat, Haryana, Madhya Pradesh Maharashtra, Orissa Punjab, Rajasthan, Tamilnadu, and Uttar Pradesh.
3.	Synthetic Rubber	52	Gujarat, U.P.
4.	LAB	150	Gujarat, Maharashtra, Tamilnadu.